जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 28 संख्याः 123 प्रभात अजमेर, शनिवार 2 दिसम्बर, 2023 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के विजयी विधायकों की बाड़ाबंदी में जुटी कांग्रेस

सभी विजयी विधायकों को कर्नाटक या हिमाचल भेजने की तैयारी है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। एग्ज़िट पोल्स द्वारा तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में कड़े मुकाबले की भविष्यवाणी किए जाने के साथ ही कांग्रेस ने अपने विधायकों को ''हॉर्स ट्रेडिंग'' की आशंकाओं के मद्देनज़र अपने निर्वाचित विधायकों को कांग्रेस शासित कर्नाटक में तुरत-फुरत भेजने की योजना बनाई है।

- बैंगलूरू में कई रिसॉर्ट बुक करवाए गए हैं।
- कुछ एग्ज़िट पोल नतीजों में कांटे की टक्कर या बहुमत का अंतर कम रहने की संभावना जताए जाने पर कांग्रेस में भारी सक्रियता देखी जा रही है।
- बताया जाता है कि, राजस्थान जहां अधिकांश एग्ज़िट पोल ने कांग्रेस की हार की भविष्यवाणी की है, वहां भी कांग्रेस नेतृत्व बाड़ाबंदी में जुट गया है।
- इन राज्यों के विधायकों की सुरक्षा भी कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ही करने वाले हैं।

वर्ष 2018 में मध्य प्रदेश में सरकार का गठन करने के बावजूद उसके हाथ से सत्ता निकल गई थी, जबकि महाराष्ट्र की महाविकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) सरकार शिवसेना के एकनाथ शिंदे गुट द्वारा की गई तोड़फोड़ के बाद गिर गई थी।

चूंकि, कुछ चुनिंदा एग्ज़िट पोल्स ने छत्तीसगढ़ में भी कांटे के मुकाबले की भविष्यवाणी की है, इसलिए रायपुर में भी ऐसे ही प्रबंध किए जा रहे हैं। खबरों के अनुसार निर्वाचित कांग्रेस प्रत्याशियों को हवाई जहाज से बैंगलुरु ले जाने के प्रबंध कर लिए गए हैं और इस उद्देश्य को लेकर एक 72 सीटर चार्टर्ड एयरक्राफ्ट उड़ान भरने के लिए तैयार है। कांग्रेस के सभी उम्मीदवारों को निर्देश दिए गए हैं कि वे 3 दिसम्बर को अपनी जीत का प्रमाण पत्र लेने के बाद राजधानी रायपुर में एकत्रित हो जाएं। बताया जाता है कि आगामी 3 दिसम्बर को नाईट स्टे के लिए रायपुर के वी.आई.पी. रोड़ स्थित एक फाईव-स्टार होटल को पहले ही बुक कर लिया गया है।

मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी कांटे का मुकाबला रहने की सूरत में ऐसी संभावना है कि कांग्रेस के प्रबंधक अपने विधायकों को कर्नाटक या हिमाचल प्रदेश के सुरक्षित क्षेत्र में शिफ्ट करने की रणनीतियां बनाएंगे।

पिछले वर्षों में, विपक्षी पार्टियों और खासकर कांग्रेस ने भाजपा पर प्रायः यह आरोप लगाया था कि वह जनादेश को पलटने के लिए ई.डी. और सी.बी.आई. जैसी जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर हॉर्स ट्रेडिंग कर रही है। पिछले वर्ष के नवम्बर माह में कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश का विधानसभा चुनाव जीता था।

लेकिन उसके विधायक तब से लेकर अब तक यही आशंका व्यक्त करते रहे हैं कि स्थानीय भाजपा सुखविन्दर सिंह सूखु सरकार को गिराने की साजिश रच रहे हैं।

अब तीन को नहीं चार दिसम्बर को आयेंगे मिज़ोरम के नतीजे

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। मिजोरम में हुए विधानसभा चुनाव 2023 के लिए वोटो की गिनती की तारीख बदल दी गई है। भारत के निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को मिजोरम विधानसभा चुनाव की मतगणना की तारीख बदलकर 4 दिसंबर कर दी। पहले मतगणना रविवार 3 दिसंबर को होनी थी। चुनाव आयोग ने कहा कि तारीख बदलने की मांग के मद्देनजर मतगणना अब 4 दिसंबर को की जाएगी।

बता दें मिजोरम में एनजीओ कोऑर्डिनेशन कमेटी (एनजीओसीसी) के सदस्यों ने शुक्रवार को राज्य विधानसभा चुनाव के बाद तीन दिसंबर को प्रस्तावित मतगणना की तिथि में बदलाव को लेकर राज्यभर में विरोध प्रदर्शन किया। राज्य की राजधानी आइजोल और अन्य जिला मुख्यालयों में प्रदर्शन किये गये। एनजीओसीसी नागरिक समाज के प्रमुख संगठनों और छात्र समूहों एक व्यापक संगठन है जिसमें प्रभावशाली सेंट्रल यंग मिजो एसोसिएशन (सीवाईएमए) और मिजो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भारत के निर्वाचन आयोग ने स्थानीय ईसाई संगठनों की व्यापक मांग को मानते हुये मिज़ोरम में हुए विधानसभा चुनाव 2023 के लिए वोटों की गिनती की तारीख बदल दी है।

तेलंगाना में तैयार है कांग्रेस का प्लान बी, शिवकुमार होंगे सूत्रधार

तेलंगाना में त्रिशंकु विधानसभा बनी तो कर्नाटक में होगी कांग्रेसी विधायकों की बाड़ाबंदी

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। कांग्रेस तेलंगाना में बहुमत मिलने और वहां सरकार गठित करने को लेकर अति उत्साहित हैं, क्योंकि माना जा रहा है कि मतगणना के बाद प्रथम और द्वितीय स्थान पर रहने वाली भारत राष्ट्र समिति (बी.आर.एस.) और भाजपा के बीच एक बड़ा अन्तर रह सकता है। लेकिन, ऐसा भी हो सकता है कि कांग्रेस शायद बहुमत से थोड़ी दूर रह जाए, ऐसी सूरत में ''प्लान बी'' तैयार है। हालांकि विभिन्न एग्ज़िट पोल्स में कांग्रेस को तेलंगाना में सहज रूप से बहुमत मिलना बताया गया है।

इसीलिए, कांग्रेस के विश्वस्त व्यक्ति एवं पिछले कई वर्षों से पार्टी विधायकों के संरक्षक कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार अपनी चिरपरिचित भूमिका में आ गए हैं और तेलंगाना के साथ ही यदि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ या राजस्थान में चुनाव परिणाम अन्ततः रोचक बन जाते हैं तो वह विधायकों की मेज़बानी के लिए तैयार हैं।

- कांग्रेस को हालांकि तेलंगाना में 60 विधायक मिलने का अनुमान है, पर अगर इसमें मामूली सी कमी आई तो जादुई आंकड़ा हासिल करने के लिए ''प्लान बी'' की तैयारी है, इसे सक्रिय करने के लिए शिवकुमार से बेहतर कोई दूसरा नहीं है कांग्रेस के पास।
- कर्नाटक में उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार कई सालों से कांग्रेस के विधायकों के संरक्षक बने हुए हैं और तेलंगाना के लिए भी उन्होंने प्लान बी तैयार कर लिया है न केवल तेलंगाना के, बल्कि जरूरत पड़ी तो वे मध्य प्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ के विधायकों की भी बाड़ाबंदी करेंगे।
- शिव कुमार इससे पहले राज्यसभा चुनाव के समय गुजरात के विधायकों की बाड़ाबंदी भी कर चुके हैं।

चूंकि, एग्ज़िट पोल्स की भविष्यवाणी के अनुसार छत्तीसगढ़ और राजस्थान में मतगणना में अंतिम समय तक कोई ठोस नतीजा निकलने की उम्मीद नहीं है, इसलिए वह आगे की स्थिति को लेकर थोड़ा चिन्तित है। उस सूरत में कांग्रेस को शिवकुमार याद आई है, जिन्होंने पिछले कई अवसरों पर पार्टी के विधायकों का संरक्षण किया है, फिर वो चाहे गुजरात के कांग्रेस विधायक हों (राज्यसभा चुनावों के दौरान) या फिर मध्य प्रदेश के अथवा कर्नाटक के हों।

ऐसी पूर्व तैयारी के लिए अन्य नेताओं को तो रिज़ार्ट बुक कराने होंगे, लेकिन शिवकुमार को नहीं, क्योंकि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बैंक के असिस्टेंट मैनेजर ने किया एक करोड़ रू. का गबन

जोधपुर, 1 दिसम्बर (कासं)। जोधपुर में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में करीब एक करोड़ रुपए के गबन का मामला सामने आया है। आरोपी बैंक का ही असिस्टेंट मैनेजर है, जो करीब 2 साल से बैंक को चूना लगा रहा था। उसने फर्जी डॉक्युमेंट के जरिए 5 लाख की लिमिट वाले 20 क्रेडिट कार्ड इश्यू करवाए। खुद उन्हें वैरिफाई किया। वह इन क्रेडिट कार्ड से दोस्तों-रिश्तेदारों के शॉपिंग और अन्य बिल जमा करवाता था। बदले में उनसे कैश ले लेता था।

- यूनियन बैंक के असिस्टेंट मैनेजर आकाश वर्मा ने 5 लाख रू. की लिमिट वाले 20 क्रैडिट कार्ड खुद ही इश्यू करवाए, खुद ही वैरिफाई किए। वर्मा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

गबन का मामला तब सामने आया, जब बैंक ने उन क्रेडिट कार्ड की जानकारी जुटाई, जिनके बिल लंबे समय से बकाया चल रहे थे। गुरुवार को मामला सामने आते ही बैंक प्रबंधक ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केरल में राहुल का विमान लैंड नहीं कर सका

कांग्रेस का आरोप रक्षा मंत्रालय ने विमान लैंड करने की अनुमति नहीं दी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। कांग्रेस ने आज आरोप लगाया कि उसके नेता राहुल गांधी के हवाई जहाज को रक्षा मंत्रालय ने केरल के नौ सेना एयरपोर्ट पर लैण्ड करने की अनुमति नहीं दी।

- कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि, रक्षा मंत्रालय ने पहले अनुमति दे दी थी पर अचानक अनुमति रद्द कर दी और ऐसा ''ऊपर के आदेश'' के कारण किया गया है।
- एर्नाकुलम कांग्रेस इकाई ने आरोप लगाया है कि, रक्षा मंत्रालय ने अनुमति नहीं दी, इसलिए विमान को कोचीन एयरपोर्ट पर लैंड करवाना पड़ा।

एर्नाकुलम की डिसिट्रक्ट कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद शियाज़ ने आरोप लगाया कि मंत्रालय ने हवाई जहाज को नेवल एयरपोर्ट पर लैण्ड करने की शुरूआत में अनुमति प्रदान कर दी थी, लेकिन बाद में उसे वापस ले लिया।

शियाज़ ने मीडिया को बताया कि इसके परिणाम स्वरूप, गांधी को कन्नूर से ला रहे एयरक्राफ्ट को निकटवर्ती नेडुम्बासरी के कोचिन इन्टरनैशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (सी.आई.ए.एल.) पर उतरने के लिए निर्देशित किया गया।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, नौ सेना स्टेशन पर प्राइवेट जैट्स को लैण्ड करने की अनुमति देने का निर्णय रक्षा मंत्रालय ने लिया था।

विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि, निर्णय सतही तौर पर रक्षा मंत्रालय द्वारा लिया गया किन्तु वास्तव में इसके लिए मोदी सरकार के उच्च स्तरों से निर्देश मिले।

लोकतांत्रिक देशों में सत्तारूढ़ पार्टियों द्वारा विपक्षी दलों के लिए जिस शिष्टाचार का अभ्यास और परिचय दिया जाता है, यहां की सत्तारूढ़ पार्टी उन नियमों के लिए वैसी परवाह नहीं करती। सरकार के संसदीय प्रारूपों मे सत्तारूढ़ पार्टी से विपक्ष तथा खासतौर पर मुख्य विपक्षी दलों के नेताओं के प्रति आदरभाव व्यक्त करने के लिए नियम व परिपाटियों की पालना करने की अपेक्षा की जाती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार तय नियमों और परिपाटियों की अनदेखी कर विपक्षी पार्टियों के खिलाफ तमाम हथकड़े अपनाकर उनकी नकारात्मक छवि बना रही है, क्योंकि उन्हें उम्मीद है कि इन हथकंड़ों से जनता के मन विपक्षी दलों की छवि बिगड़ जाएगी।

फ्लाइट में महिला की धड़कन रूकी, उदयपुर के दो डॉक्टरों ने बचाई जान

दोनों डॉक्टर जयपुर जा रहे थे, महिला को सीपीआर प्रक्रिया से दिया उपचार

उदयपुर, 1 दिसम्बर (कासं)। कई बार ऐसे पल आते हैं जब लोग जीवन की उम्मीद छोड़ देते हैं उस समय डॉक्टर मौत को मात देकर जिंदगी बचा लेते हैं। शायद इसीलिए डॉक्टर को भगवान का दर्जा दिया जाता है। ऐसा ही कुछ मामला बीते दिनों उदयपुर से जयपुर जा रही फ्लाईट में सामने आया जहां उदयपुर के दो चिकित्सक एक महिला के लिए 'भगवान' साबित हुए। वायुयान प्रबंधन ने इसके लिए दोनों डॉक्टर्स के अथक प्रयासों की सराहना करते हुए महिला की जान बचाने के लिए धन्यवाद का ईमेल भी भेजा है।

- घटना 21 नवम्बर की है, जब उदयपुर से जयपुर की फ्लाइट में कोलकाता निवासी महिला अचानक बेसुध होकर सीट से नीचे गिर गई थी।
- बताया जाता है कि, स्त्री रोग विशेषज्ञ दोनों चिकित्सक डॉ. प्रकाश जैन और डॉ. प्रदीप बंदवाल किसी कार्यक्रम में शामिल होने जयपुर जा रहे थे।
- दोनों चिकित्सकों ने 30 मिनट तक लगातार कोशिश की और अंततः महिला की जान बचा ली।
- वायुयान प्रबंधन ने दोनों डॉक्टर्स को इसके लिए धन्यवाद भेजा है।

डॉ. प्रकाश जैन ने बताया कि गत 21 नवम्बर को उदयपुर के दो स्त्री रोग विशेषज्ञों डॉ. प्रकाश जैन और डॉ. प्रदीप बंदवाल व चिकित्सकों का दल जयपुर में एक कार्यक्रम में भाग लेने फ्लाइट से जयपुर जा रहे थे। उदयपुर से उड़ान भरने की थोडी देर में कोलकता की 50 वर्षीय महिला यात्री बेसुध होकर अपनी सीट से नीचे गिर गई। महिला के पति घबरा गये और उन्होंने सभी को महिला के अचेत होने के बारे में बताया। महिला की स्थिति देखकर लग रहा था कि उसकी मृत्यु हो गयी है क्योंकि धड़कन चल नहीं रही थी।

डॉ. प्रदीप बंदवाल ने बताया कि ये प्राथमिक तौर पर हृदय विकार के कारण धड़कन रूकने का मामला लग रहा था और इस स्थिति में सीपीआर प्रक्रिया से मरीज की धड़कन लाने का प्रयास किया जा सकता है। हम दोनों ने महिला को सीपीआर देना शुरू कर दिया और लगातार 10 मिनट तक कोशिश करने के बाद महिला फिर सांस लेने लगी, एक बार तो सभी की लगा महिला की जान बच गयी है। लेकिन ये खुशी चंद पलों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)